# प्रेस विज्ञप्ति

# स्वस्थ समाज की परिकल्पना में आधारभूत मानवीय मूल्यों का महत्व

**एकेटीयू द्वारा हिन्दुस्तान कॉलेज में ''ह्यूमन वैल्यूज एण्ड प्रोफेशनल एथिक्स'' पर 8 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन**

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रावधिक विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा घोषित नोडल सेंटर फॉर ह्यूमन वैल्यूज एण्ड प्रोफेशनल एथिक्स, शारदा ग्रुप के प्रतिष्ठित संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी में मानविकी विभाग द्वारा ''ह्यूमन वैल्यूज एण्ड प्रोफेशनल एथिक्स'' पर 8 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (लेबल–2) का शुभारम्भ आज दिनांक 21 दिसम्बर 2018 से 28 दिसम्बर 2018 के दौरान किया जा रहा है जिसका विधिवत उद्घाटन आज दिनांक 21 दिसम्बर 2018 प्रातः दस बजे हुआ। कार्यशाला में उत्तर प्रदेश के विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों, प्रबंधन कालेजों एवं डिग्री कालेजों के लगभग 35 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने अपना पंजीकरण कराया है। इस कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि पदमश्री श्री मोहन स्वरूप भाटिया जी, मथुरा एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. लक्ष्मी गौतम, संस्थापक कनकधारा फाउन्डेशन मथुरा रहीं। एकेटीयू द्वारा नियुक्त ह्यूमन वैल्यूज सैल के समन्वयक श्री भानू प्रताप सिंह, प्रेक्षिका डॉ. दिव्या बरतरिया एवं डॉ. प्रियंका गौतम व प्रेक्षक श्री विकास कुमार भी समारोह में उपस्थित रहे।

कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य एवं विशिष्ट विभूतियों द्वारा माँ शारदा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ सांस्कृतिक एवं कला विभाग के प्रमुख श्री डिम्पी मिश्रा एवं श्री मुकुन्दलाल ने सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

तत्पश्चात् शारदा ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. वी. के. शर्मा, निदेशक डॉ. राजीव कुमार उपाध्याय ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, एकेटीयू द्वारा नियुक्त ह्यूमन वैल्यूज सैल के समन्वयक श्री भानू प्रताप सिंह, प्रेक्षिका डॉ. दिव्या बरतरिया एवं डॉ. प्रियंका गौतम व प्रेक्षक श्री विकास कुमार को पौधा देकर सम्मानित किया।

सर्वप्रथम संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार उपाध्याय ने सभागार में उपस्थित सभी भद्रजनों का स्वागत करते हुये अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि आधुनिक परिवेश में प्रावधिक शिक्षा में अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जिसके लिए ये आवश्यक हो गया है कि शिक्षक, विभागाध्यक्ष, निदेशक, माता या पिता अथवा जीवन की कोई दूसरी भूमिका के लिए प्रेरणाश्रोत बनना ही एक पेशेवर नैतिकता में आता है जिसके लिए हमें अपने कर्तव्य और जिम्मेदारियों को भली–भाँति समझते हुये निर्वाह कर समाज एवं राष्ट्र का नैतिक विकास कर सकते हैं। उन्होंने तीन सूक्ष्म कविताओं के द्वारा इस कार्यशाला के सार को सर्वविदित किया और कहा कि निश्चित ही इस आठ दिवसीय कार्यशाला के अंत में मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभी प्रतिभागी मानवता एवं नैतिकता से ओत–प्रोत हो अपने शिष्यों को सिखाते हुये समाज एवं सुदृण राष्ट्र का निर्माण करने में योगदान करेंगे। निश्चित ही आज का सही कार्य कल का भविष्य उज्जवल बनायेगा।

शारदा ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. वी. के. शर्मा ने कार्यशाला में पधारे सभी मेहमानों का एक बार पुनः स्वागत कर आभार व्यक्त किया तथा अपने उद्‌बोधन में समाज के उत्थान में मान्यताओं एवं संस्कार के महत्व की विशिष्टता को चिन्हाकित किया। मानवीय मूल्यों की सरलतम परिभाषा देते हुए बताया कि मन में बैठी हुयी गहरी आस्था जो यह तय कराती है कि हमें क्या करना है और कैसे करना है उसे मानवीय मूल्य कहते हैं। संसार में प्रत्येक जीव–जन्तु के पास भावना होती है परन्तु मन और विवेक केवल मनुष्यों के पास ही है जो उसे संकल्पवान बनाते हैं। मूल्यों को कहना तो आसान है परन्तु अमल में लाना उतना ही मुश्किल है। जिन

मूल्यों के साथ हम जीते हैं वही हमारा चरित्र होता है। जीवन का दिनोंदिन ह्रास हो रहा है और परिवारों का स्वरुप भी टूट रहा है जिस कारण वश इस तरह की कार्यशालाओं की विशेष जरुरत है और एकेटीयू के निदेर्शों के तहत यह संस्थान भविष्य में भी क्रमिक रुप से ऐसे फैकल्टी डवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित कराता रहेगा।

एकेटीयू से ह्यूमन वैल्यूज सैल के समन्वयक एवं नामित संसाधन व्यक्ति श्री भानू प्रताप सिंह जो कि सन् 2011 से अबतक 60 से ऊपर ऐसी कार्यशालाओं को संचालित कर चुके हैं और इससे तीन हजार से अधिक शिक्षकों ने ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि आज तकनीकी शिक्षा के आधार पर जो समाज का निर्माण हो रहा है उससे धरती पर संसाधनों का दुरुपयोग अत्याधिक मात्रा में हो रहा है। इससे संसाधनों की कमी दिखाई देती है तथा धरती का तापमान बढ़ रहा है। आज मानव का इस धरती पर अस्तित्व खतरे में आ गया है तथा मानव दूसरे मानव के साथ सम्बन्धपूर्वक जीने की कला शिक्षा में नहीं दी जाती है। व्यक्ति अपने विचारों में ही उलझा रहता है इसलिए समग्र शिक्षा की आवश्यकता है और सभी प्रतिभागियों से विशेष अनुरोध करते हुये कहा कि कृपया सभी प्रतिभागी अपना पूरा समय दें और कार्यशाला का लाभ उठायें।

विशिष्ट अतिथि डॉ. लक्ष्मी गौतम का परिचय देते हुये बताया कि कि वह वृन्दावन के सिटी कॉलेज में प्रोफेसर हैं एवं उन्हें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा अपने सामाजिक उत्कृष्ट कार्यों के लिए पूर्व में सम्मानित भी किया जा चुका है। डॉ. गौतम ने अपने सम्बोधन में विभिन्न उदाहरणों के द्वारा समाज में व्याप्त विकृतियों के बारे में बताया । उन्होंने भारतवर्ष में सयुक्त परिवार के महत्व को समझाया। उन्होंने कार्यशाला में आये शिक्षकों को युवा पीढ़ी के उत्थान की जिम्मेदारी के प्रति जागरुक किया।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि पदमश्री श्री मोहन स्वरूप भाटिया जी को मार्च 2018 में साहित्य में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्वारा पदमश्री

के सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि प्रत्येक व्यक्ति में मूल्य शिक्षा के साथ–साथ संस्कार भी होने चाहिए। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में नैतिक मूल्यों एवं उनका व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र पर पड़ने वाले प्रभाव का वर्णन किया। उन्होंन सभी आगुंतुकों का ब्रज क्षेत्र में आने पर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त विकृतियों का सबसे बड़ा कारण नैतिक मूल्यों एवं नैतिक कर्तव्यों का हनन है।

कार्यक्रम के अंत में तत्पश्चात् शारदा ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. वी. के. शर्मा, कार्यकारी निदेशक डॉ. डी जी रॉय चौधरी, निदेशक डॉ. राजीव कुमार उपाध्याय एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. ममता शर्मा ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन मानविकी विभाग की शिक्षिका डॉ. डॉ. राजकुमारी एवं डॉ. अर्चना गौतम ने किया और कार्यक्रम के अंत में मानविकी विभाग की शिक्षिका डॉ. अर्चना गौतम ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस अवसर पर कॉलेज के डीन आर.एण्ड.डी. डॉ. एम.एस. गौर, कार्यशाला की समन्वयक डॉ. ममता शर्मा, डॉ. केशव देव, डॉ. युधिष्ठर सिंह, श्री सुनील गर्ग, श्री शशी शेखर, डॉ. वी. के. गुप्ता, डॉ. रिचा कपूर, श्री शंकर ठाकर, श्री अनुराग वाजपेयी, प्रथम वर्ष समन्वयक डॉ. सुरूचि, परिक्षा नियंत्रक डॉ. राजीक कुमार तिवारी, श्री मुनीश खन्ना, डॉ. पंकज खन्ना, कुलसचिव श्री ए.एस.कपूर, सहित समस्त शिक्षकगण एवं प्रतिभागी मौजूद रहे।